Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Part A

Faculty: Humanities
Programme: B.A. I (Sem-II) Hindi Literature

POs:

1. **छात्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।**
2. **हिंदी समृद्ध साहित्यिक परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।**
3. **हिंदी साहित्य की उपादेयता और प्रासंगिकता को अधोरेखित कराना।**
4. **साहित्य की विभिन्न विधाओं के प्रति रुचि उत्पन्न कर उन्हें संस्कारित कराना।**
5. **कौशल विकास में सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से छात्रों में स्वयंरोजगार की क्षमता विकसित कराना।**
6. **जीवन में साहित्य की महत्ता और उपादेयता को सुस्पष्ट कराना।**
7. **छात्रों की संवेदनाओ को जागृत कर उन्हें सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।**

PSOs:

1. **छात्रों के साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध तथा सशक्त कराना।**
2. **छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा करने की क्षमता को विकसित कराना।**
3. **छात्रों में हिंदी में तकनिकी क्रियाकलाप करने की क्षमता को विकसित कराना।**
4. **संवेदनशीलता, कर्तव्य-परायणता और जागरूक व्यक्तित्व को विकसित कराना।**

Employability Potential of the Programme:

Explain in detail in about 3 to 4 pages

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा यूजीसी के नवीनतम निर्देशानुसार सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम का निर्माण और क्रियान्वयन करने की दिशा में जो पहल की गई है, वह निश्चित ही स्तुत्य और अभिनंदनीय है। यह तो सर्वविदित तथ्य है कि, यूजीसी के नवीनतम निर्देशों का प्रमुख उद्देश्य और लक्ष्य ही परंपरागत शिक्षा पद्धति की खामियों को दूर कर छात्रों के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना है। हिंदी अभ्यास मंडल संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय अमरावती की भी हार्दिक मंशा यही रही है कि, छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वयंपूर्ण बनाना ही अध्ययन और अध्यापन का लक्ष्य है। अस्तु, बी.ए. साहित्य के छात्रों के लिए एक ऐसा पाठ्यक्रम निर्मित तथा क्रियान्वित करने का सार्थक प्रयास किया गया है, जो छात्रों के सर्वांगीण उन्नति के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो सके।

साहित्य किसी भी व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य व्यक्तित्व का परिमार्जन कर संस्कारित करने की क्षमता रखता है। अतएवं बी.ए. के छात्रों को साहित्य की लगभग सभी प्रमुख विधाओं का परिचय करवा कर, उन्हें उसमें अभिरुचि निर्माण कराने की दिशा में पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया है। प्राचीन और आधुनिक साहित्य अपनी महत्ता और स्थान रखते हैं, इसलिए इन्हें समान रूप से पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की कोशिश की गई है। तो वहीं दूसरी ओर, कौशल विकास के अंतर्गत छात्रों को रोजगारोन्मुख तकनीकी ज्ञान और अभ्यास कराने का यत्न किया गया है। जो उसके लिए निश्चित ही उपादेय एवं प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि, प्रस्तुत पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर, संवेदनशील और राष्ट्र व संस्कृति के प्रति आस्था रखने वाली पीढ़ी

का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों को सुदृढ़ और सक्षम करने में सार्थक सिद्ध होगा। जिससे एक सुदृढ़ समाज और राष्ट्र की नींव रखी जा सकेगी।

Part B
Syllabus Prescribed for 2022-23 Year UG/PG Programme
Programme: B.A. I (Sem-II)
Semester II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
1053	हिंदी साहित्य	Per Week 05

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'काव्यांजलि'
राघव पब्लिकेशन नागपुर
इकाई 1 : आधुनिक काव्य दो कविताएँ

1. **भारतेन्दु हरिश्चंद्र**
2. **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**
3. **माखनलाल चतुर्वेदी**
4. **सुभद्राकुमारी चौहान**
5. **मैथिलीशरण गुप्त**

इकाई 2 : 'अंधायुग' धर्मवीर भारती - नाटक
प्रकाशन- किताब महल, इलाहाबाद
इकाई 3 : साहित्यिक विधाओं का सामान्य परिचय - नाटक, महाकाव्य,आत्मकथा, संस्मरण
इकाई 4: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न
इकाई 5: आंतरिक मूल्यांकन - कौशल विकास

1. **मंच का सूत्र संचालन की रूपरेखा तैयार करना 10 अंक**
2. **स्थानीय बोलीभाषाओँ के 10 मुहावरें/कहावतों का हिंदी में अनुवाद 10 अंक**

प्रश्नपत्र प्रारूप
इकाई 1 अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ 10 x 1 =10
ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
इकाई 2) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ 10 x 1 =10
ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
इकाई 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 2 =10
इकाई 4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 20 x 1 = 20
इकाई 5 : आंतरिक मूल्यांकन- हिंदी कौशल विकास 20

Cos –

1. **छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे ।**
2. **छात्र संत वाणी की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे ।**

3. **विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे ।**
4. **कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे ।**
5. **छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशीला रखी जायेगी ।**

Unit	**Content**
Unit I	**----------(periods)**
Unit II	**----------(periods)**
Unit III	**----------(periods)**
Unit IV	**----------(periods)**
Unit V	**----------(periods)**
Unit VI if applicable	**----------(periods)**
***SEM**	
COs: १. **छात्र आधुनिक काव्य की राष्ट्रीयता के बोध से अवगत हो सकेंगें।** २. **छात्र नाटक के माध्यम से आधुनिक भाव-बोध का अध्ययन कर सकेंगे।** ३. **छात्र गद्य की आधुनिक विधाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।** ४. **छात्र हिंदी साहित्य की विधाओं का मूल्यांकन कर सकेगे।** ५. **छात्र हिंदी भाषा के माध्यम से स्थानिय सांस्कृतिक प्रतीकों को उजागर कर सकेंगे।**	
**Activities	**1. मंच का सूत्र संचालन की रूपरेखा तैयार करना।** **2.स्थानीय बोलीभाषाओं के मुहावरें/कहावतों का हिंदी में अनुवाद करना ।** *Add more if needed* **(periods)**

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

1. **कबीर साखी सार डॉ. ताराचंद बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा) कबीर एक नई दृष्टि - डॉ. रघुवंश**
2. **कबीर - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी**
3. **भ्रमरगीत सारसं राजनाथ शर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर आगरा)**
4. **सूर की काव्यकला- डॉ. मनमोहन गौतम**
5. **विनयपत्रिका-तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)**
6. **कवितावली -तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)**
7. **तुलसीदास युग और काव्य- डॉ. राजपति दीक्षित**
8. **बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. बच्चन सिंह**
9. **समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद-डॉ. महेन्द्र भटनागर**
10. **प्रेमचंद एक अध्ययन- डॉ. राजेश्वर गुरु**
11. **साहित्य रुप और तत्व- शिवनंदन प्रसाद**
12. **साहित्य पथ संपादक डॉ. इन्द्रपालसिंह**
13. **साहित्य का साथी (प्रकाशक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा)**
14. **लहर की बरखा- तुकडोजी महाराज, प्रकाशक, गुरुकुल, नागपुर**
15. **वसंत- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, सं.गा.बा. अमरावती**

16. काव्यांजलि- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, प्रकाशक, राघव पब्लिकेशन, नागपुर

17. सम्भव हैं- ज्ञानचंद मर्मर, प्रकाशक, श्रीमती शरद, नं. 13, तीसरा क्रॉस, के. आर ले आउट/ आठवा फेज, जे. पी. नगर बैंगलोर, 560078

18. नयी समीक्षा के प्रतिमान डॉ निर्मला जैन

19. हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन दी. विकल गौतम

20. आधुनिक समीक्षा डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र

21. आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य- डॉ. शिवचरण

22. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन गिरीश रस्तोगी

23. हिन्दी नाटककार जयनाथ नलिन

24. नाटक और रंगमंच की भूमिका डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

25. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास सुरेश सिन्हा

26. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि डॉ. सत्यपाल चूप

27. आधुनिक उपन्यास विविध आयाम विवेकीराय

28. रंग दर्शन नेमीचंद जैन

29. रंग कर्म और मीडिया डॉ. जयदेव तनेजा

30. हिन्दी उद्भव विकास और रूप- डॉ हरदेव बाहरी

31. हिन्दी भाषा स्वरुप और विकास- डॉ. कैलाशचंद माटिया

32. राजमाषा हिन्दी डॉ. कैलाशचंद मटिया

33. प्रयोजनमूलक व्ययावहारिक हिन्दी डॉ ओमप्रकाश सिंहल

34. प्रयोजनमूलक हिन्दी विनोद गोदरे

35. भाषा विज्ञान भोलानाथ तिवारी

36. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत डॉ. शांती स्वरुप गुप्त

37. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल

38. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ जयकिसन प्रसाद

39. हिन्दी साहित्य का इतिहास विजयपाल सिंह

40. जयशंकर प्रसाद आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

41. प्रसाद का काव्य डॉ. प्रेमशंकर

42. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

43. पंत जी का नूतन काव्य और दर्शन डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्यय

44. रिचर्डस के आलोचक सिद्धांत शंभुदत झा

45. हिन्दी भाषा का इतिहास लक्ष्मीसागर वाष्णेय

46. सम सामायिक हिन्दी साहित्य डॉ. बच्चन सिंह

47. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत

48. भाषा विज्ञान सैध्दांतिक विवेचन- डॉ. रविन्द्र श्रीवास्तव

49. भारतीय लिपीयोंकी कहानी गुणाकर मुले

50. हिन्दी भाषा, राजभाषा और नागरीलिपी डॉ. परमानंद पांचाल

51. हिन्दी के विशिष्ट आलोचक नंदकुमार राय

52. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितीज डॉ. राममुर्ती त्रिपाठी

53. शैली विज्ञान डॉ. विद्यानिवास मिश्र

54. संरचनात्मक शैली विज्ञान डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

55. रस सिद्धांत और संदर्भ शास्त्र निर्मला जैन

56. सौंदर्य शास्त्र लक्ष्मण दत्त गौतम

57. मार्क्सवादी सौदर्यशास्त्र मैनेजर पांडेय

58. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति देवी शंकर अवस्थी

59. समकालीन हिन्दी कहानी डॉ.पुष्प पाल सिंह

60. नई कहानी का स्वरूप विवेचन डॉ. इन्दु रश्मि

61. हिन्दी निर्गुण संत काव्य डॉ रमा शुक्ला अनुसंधान केन्द्र मुरादाबाद

62. डॉ. शंकर बुंदेले लिखीत समीक्षा कृति प्रेमचंद एवं रंगभूमि का जीवन दर्शन अमन प्रकाशन, नागपूर

63. उर्दु साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास लेखक डॉ एहतेशाम हुसेन, लोकभारती महात्मा गांधी इलाहाबाद

64. आधुनिक हिन्दी काव्य

65. व्यक्तिवादी प्रवृत्ति और आंचन का काव्य- लेखक डॉ. सुभाष पटनायक

66. राजमाषा हिन्दी विविध आयाम . लेखन डॉ शंकर बुंदेले संपादीत पुस्तक प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद.

67. समय के हस्ताक्षर एवं मध्यकाल के अनमोल रतन लेखक डॉ. ज्योति व्यास

68. कबीर और तुकाराम का सामाजिक दर्शन, डॉ त्रिवेणी नारायण सोनोने

69. प्रेमचंदोत्तर समाजवादी उपन्यासो की पृष्ठभूमी पर यशपाल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन- डॉ. एम. एम. कडू

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

IMPORTANT NOTES:

Note: Please use Times New Roman 10 point font

***SEM needs to be designed only for Courses in all UG Programmes**

****Activities/Assignments/tasks/projects (individual/group)**

Some Tips to extract and mine skill components from the Course (for ready reference)

What do you expect Students to LEARN or EXPERIENCE in the SEM/SEC?

Identify Employability Skills for SEM/SEC		
☐ Interpersonal Skills	☐ Information Use	☐ Technology Use
☐ Personal Qualities	☐ Communication Skills	☐ Applied Academic Skills
☐ Resource Management	☐ Systems Thinking	☐ Critical Thinking Skills

Employability Skills Categories

Effective Relationships	Interpersonal Skills Personal Qualities

Workplace Skills	Resource Management Information Use Communication Skills Systems Thinking Technology Use

Applied Knowledge	Applied Academic Skills Critical Thinking Skills

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Format and Template for Courses (Theory) of UG/PG Programmes